BA (Prog.) Hindi

DSC-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)
हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।
साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes
इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्‌भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

इकाई–3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई–4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्‌भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

Discipline Specific Core-2
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना
हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई–1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई–2
हिंदी सिनेमा : उद्‌भव और विकास

इकाई–3
सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई–4
नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां
(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्‌ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेष्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : करुणा षंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : कौषल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process
व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods
टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords
सिनेमाई शब्दावली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)

OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
आधुनिक आवष्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) संत–काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952
संत रैदासजी
पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्वनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाषन, दिल्ली, 1998; कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता
– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ख'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :
(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो .....
– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर
– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता
– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process
व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods
टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ग'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)
हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes
हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1
हिंदी भाषा और साहित्य
(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विषेषताएँ
(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2
भक्तिकालीन हिंदी कविता :
कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :
–मैया मैं नहिं माखन खायौ .....
– उधोमन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता
(क) बिहारी :
– मेरी भव बाधा हरौ .....
–कनक कनक ते सौंगुनी .....
–कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :
– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....
– सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युग बोध कोठी से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैष्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः षिक्षण में हिंदी कविता छात्रों

के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/ 197

Dated: 14.09.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-20 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

VALUE ADDITION COURSES (VACs)
UNDER
UGCF-2022
LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)

In pursuance of the objectives outlined in the National Education Policy 2020, the Value Addition Courses (VACs) seek to fulfil the mandate of providing holistic education to the students. As the NEP elucidates, "the purpose of the education system is to develop good human beings capable of rational thought and action, possessing compassion and empathy, courage and resilience, scientific temper and creative imagination, with sound ethical moorings and values." The Value Addition Courses will introduce students to the rich heritage of the nation as well as to important social concerns of the current times, helping them to make connections between what they learn and how they live.

The courses have a sound theoretical base as well as appropriate hands-on components. At the same time, they clearly set out measurable and attainable Learning Outcomes. Knowledge, in essence, being integrated, these courses are essentially multidisciplinary in nature.

Designed to ignite the intellectual curiosity of the learners, the Value Addition courses will inspire and guide them in their journey of personal and professional development making them thoughtful, well-rounded, and creative individuals, with a sense of service and responsibility towards the Nation.

A student who pursues any undergraduate programme in the University and its Colleges is offered a pool of Value Addition Courses, from which he has to choose one to study in the first Semester. A list of such courses as passed by the Executive Council in its meeting dated 18.08.2022 is as below:

SL.NO.	COURSE TITLE	TOTAL CREDITS: 2
1	Ayurveda and Nutrition	
2	Constitutional Values and Fundamental Duties	
3	Culture and Communication	
4	Digital Empowerment	
5	Emotional Intelligence	
6	Ethics and Culture	
7	Ethics and Values in Ancient Indian Traditions	
8	Financial Literacy	
9	Fit India	
10	Gandhi and Education	
11	Ecology and Literature	
12	National Cadet Corps-I	
13	Panchkosha: Holistic Development of Personality	
14	Reading Indian Fiction in English	
15	Science and Society	
16	Social and Emotional Learning	
17	Sports for Life-I	
18	Swachh Bharat	
19	The Art of Being Happy	
20	Vedic Mathematics-I	
21	Yoga: Philosophy and Practice	
22	भारतीय भक्ति : परम्परा और मानव मूल्य	
23	साहित्य संस्कृति और सिनेमा	
24	सृजनात्मक लेख के आयाम	

VAC 1: भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मल्य

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना ।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृति क और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना ।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बन सकेंगे ।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिल

भारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।

• प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

SYLLABUS OF परंपरा और मानव मूल्य

UNIT – I भारतीय भक्ति परंपरा **(5 Weeks)**

- भक्ति : अर्थ और अवधारणा
- भक्ति के वि भि न्न संप्रदाय और सि द्धांत
- भारत की सांस्कृति क एकता और भक्ति
- भक्ति का अखि ल भारतीय स्वरूप

UNIT – II भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके वि चार **(5 Weeks)**

संत ति रुवल्लुवर , आण्डाल, अक्कमहादेवी, ललद्यद , मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, गुरु नानक, सूरदास, जायसी, तकु ाराम, नामदेव, नरसिहं मेहता, वेमना, कंु चन, नम्बियार, चतैन्य महाप्रभ,ु चंडीदास, सारला दास, शंकरदेव

UNIT – III मानव मूल्य और भक्ति **(5 Weeks)**

मानव मूल्य का अर्थ
चयनि त भक्त कवि यों की जीवन मूल्यपरक कवि ताएँ

Practical component (if any) – **(15 Weeks)**

• पाठ्यक्रम में उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि की रचनाओं में विभिन्न मानव मूल्यों के आधार पर प्रोजेक्ट

• वर्तमान समय में भक्ति की प्रासंगि कता को समझना; सर्वे और साक्षात्कार पद्धति के आधार पर.

• जीवन में मानव मूल्यों के प्रति पालन पर सर्वे और साक्षात्कार के आधार पर एक रि पोर्ट बनाना.

- उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि से संबंधि त किसी मठ, आश्रम या मंदिर आदि, अथवा कोई फिल्म/ डॉक्युमेंट्री के आधार पर रिपोर्ट बनाना.
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- **Any other Practical/Practice as decided from time to time**

Essential/recommended readings

- 'भक्ति का उद्भव और विकास तथा वैष्णव भक्ति के विविधरूप, भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक- डॉ नगेंद्र, हि ंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पृष्ठ संख्या **215-250**
- कुछ प्रमुख कवियों के चयनित पद
- 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य', शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, **1994**
- 'मानव मूल्य और साहित्य, डॉ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,**1999**

Suggested readings

- 'भक्ति के आयाम', डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दि ल्ली
- 'हि ंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 'मध्यकालीन हि ंदी काव्य का स्त्री पक्ष', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
- 'मध्यकालीन हि ंदी भक्ति काव्य: पुनर्मूल्यांकन के आयाम', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स , नई दिल्ली

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: साहित्य संस्कृति और सिनेमा

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
साहित्य संस्कृति और सिनेमा	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना
- छात्रों को नैतिक,सांस्कृति क और संवैधानि क मूल्यों के प्रति जागरूक करना
- भारतीय ज्ञान परंपरा,वैज्ञानि क दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना
- साहित्य,संस्कृति और सि नेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण,प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- साहित्य ,संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से नैतिक,सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों की समझ वि कसि त होगी
- भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा
- वैचारि क समझ एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा
- परियोजना के माध्यम से संप्रेषण एवं प्रस्तुति करण दक्षता का विकास होगा
- छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वां गीण विकास होगा

SYLLABUS OF **साहित्य संस्कृति और सिनेमा**

UNIT – I साहित्य,संस्कृति और सिनेमा का सामान्य परिचय (2 Weeks)

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप
- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा का अंत:संबंध

UNIT – II साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा (6 Weeks)

- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा में परिकल्पना
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा की प्रासंगि कता
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा- आनंदमठ 1952, तीसरी कसम 1966, रजनीगंधा 1974, पद्मावत 2016

UNIT – III हिन्दी सिनेमा में सामाजिक –सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति (7 Weeks)

- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य
- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य के शक्ति शाली उपकरण के रूप में सि नेमा
- हि न्दी सि नेमा में अंतर्नि हि त सामाजि क- सांस्कृति क मूल्य – मदर इंडि या 1957, बंदिनी 1963, पूरब और पश्चि म 1970, हम आपके हैं कौन 1994, टॉयलेट: एक प्रेमकथा 2017

Practical component (if any) – (15 Weeks)

- भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित लघु फिल्म हेतु पटकथा लेखन (8-10 मि नट)
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (8-10 मिनट); यह सामूहिक क्रियाकलाप होगा
- राष्ट्रप्रेम, कुटुंब, शांति , पर्या वरण, जल-संरक्षण, स्वच्छता,मित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्मनिष्ठा, समरसता में से किसी एक विषय पर मूक फिल्म निर्माण (8-10 मि नट)
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- **Any other Practical/Practice as decided from time to time**

Essential/Recommended readings

- 'संस्कृति क्या है (निबंध) ससंकृति ,भाषा और राष्ट्र, रामधारी सिहं दिनकर, लोक भारती प्रकाशन,2008,पृष्ठ संख्या 60-64.
- साहित्य का उद्देश्य(निबंध) ,प्रेमचंद ,एस. के.पब्लिशर्स,नई दि ल्ली,1988,पृष्ठसंख्या 7-18.
- भारतीय संस्कृति के स्वर,महादेवी वर्मा , राजपाल एंड संस प्रकाशन 2017 .
- हि ंदी सिनेमा ; भाषा ,समाज और संस्कृति (लेख), पृष्ठ संख्या 11-18 भाषा ,साहित्य ,समाज और सस्कृति खंड 6,प्रो. लालचंद राम, अक्षर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,2020
- सिनेमा और साहित्य का अंत:संबंध (लेख) पृष्ठ संख्या 30-34,साहित्य और सिनेमा, परुषोतम कं ु दे (संपा.) साहित्य ससंथान,2014
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (लेख) पृष्ठ संख्या 206-212,लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ ,जवरीमल पारख, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., 2019

Suggested readings

- सिनेमा और संस्कृति ,राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष, 2018.
- जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल
- सिनेमा और संसार, उदयन वाजपेयी
- साहित्य,संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रि या(नि बंध)अज्ञेय, संपा०कृष्णदत्तपालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल,नई दि ल्ली, 2010, पृष्ठसंख्या 25-41
- सिनेमा समकालीन सिनेमा ,अजय ब्रह्मात्मज,वाणी प्रकाशन,2006
- कल्चर इन्डस्ट्री रिकन्सि डर्डः पृष्ठसंख्या- 98-106 कल्चरइन्डस्ट्रीःथ्योडोरएडोर्नो , राउटलेज (भारतीयसंस्करण)
- दि सिग्निफिकेन्स ऑफ कल्चर इन अन्डरस्टैंडिग ऑफ सोशल चेंज इन कन्टेम्परिर इंडियाः पृष्ठसंख्या- 25-39.
- कल्चर चेंज इन इंडियाःआइडन्टिटी एंड ग्लोबलाइजेशनः योगेन्द्र सिहं .रावत पब्लिकेशन, जयपुर,भारत.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: सृजनात्मक लेखन के आयाम

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
सृजनात्मक लेखन के आयाम	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- सृजनात्मकता और भाषायी कौशल का संक्षिप्त परिचय कराना
- विचारों का प्रभावी प्रस्तुति करण करना
- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता को विकसित करना
- मीडि या लेखन की समझ विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा
- लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति की प्रभावी क्षमता विकसित हो सकेगी
- मीडिया लेखन की समझ विकसित होगी
- विद्यार्थी में अपने परिवेश, समाज तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा

SYLLABUS OF सृजनात्मक लेखन के आयाम

UNIT – I सृजनात्मक लेखन **(5 Weeks)**

- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और बोध

• सृजनात्मक लेखन और परिवेश
• सृजनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण

UNIT – II सृजनात्मक लेखन : भाषि क संदर्भ (5 Weeks)

• भाव और विचार का भाषा में रूपान्तरण
• साहित्यि क भाषा की विभिन्न छवि याँ
• प्रिटं तथा इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की भाषा का अंतर

UNIT – III सृजनात्मकता लेखन – विविध आयाम (5 Weeks)

• कविता, गीत, लघु कथा
• हास्य - व्यंग्य लेखन,
• पल्लवन, संक्षेपण , अनुच्छेद

Practical component (if any) – (15 Weeks)

• कक्षा में प्रत्येक वि द्यार्थी द्वारा 'मेरी पहली रचना' शीर्षक से किसी भी विधा में लेखन
• किसी भी साहित्यिक रचना का भाषा की दृष्टि से विश्लेषण
• इकाई- 3 में उल्लिखित विधाओं में विद्यार्थि यों द्वारा लेखन एवं सामूहिक चर्चा
• प्रत्येक इकाई से संबन्धि त परि योजना कार्य:

i. समसामयिक विषयों पर किसी भी विधा में लेखन – बदलते जीवन मूल्य, महामारी, राष्ट्र निर्माण में छात्र की भूमि का, युवाओं के कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, लोकतन्त्र में मीडिया की भमि् का, ऑनलाइन शॉपि गं अथवा अन्य समसामयिक विषय

ii. कि सी उत्सव, मेला, प्रदर्शनी, संग्रहालय और कि सी दर्शनीय स्थल का भ्रमण तथा उस पर परियोजना कार्य

• प्रिटं माध्यम के खेल, राजनीति , आर्थिक और फिल्म जगत आदि से जड़ ी सामग्री का भाषा की दृष्टि से विवेचन
• इलेक्ट्रोनि क माध्यम के समाचार, धारावाहिक, वि ज्ञापन आदि का भाषा की दृष्टि से विवेचन
• आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें

• Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/recommended readings

- **लेखन एक प्रयास, हरीश चन्द्र काण्डपाल**
- **रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम**
- **साहित्य – चितंन: रचनात्मक आयाम, रघवुश**

Suggested readings

- अग्नि की उड़ान, अबुल कलाम आज़ाद
- टेलीवि जन की भाषा - हरीश चन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- छोटे पर्दे का लेखन, हरीश नवल
- काव्यभाषा : रचनात्मक सरोकार, प्रो. राजमणि शर्मा
- कविता रचना प्रक्रिया, कुमार विमल

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

विकास गुप्ता
16/9/22
REGISTRAR

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/245
Dated: 31.10.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-13 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AECs)
UNDER
UGCF-2022
LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)

{Environmental Science: Theory to Practical (Course 1) and any chosen Indian Language (Course 1) from AEC Pool shall be studied in flip mode in Semester 1 and Semester II. Similarly, Environmental Science: Theory to Practical (Course 2) and Course 2 of the Same Language as chosen in First Year shall be studied in flip mode in Semester III and Semester IV}

FOLLOWING ARE THE SYLLABI OF POOL OF ABILITY ENHANCEMENT COURSES OFFERED UNDER UGCF-2022 IN FIRST YEAR

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Offered by
DEPARTMENT OF HINDI

AEC 1:हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार (हिन्दी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार	02	2	--	---	हिंदी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives)

- सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना
- सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना
- प्रभावी सम्प्रेषण का गुण विकसित करना
- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना
- संचार माध्यमों के लिए लेखन कौशल का विकास

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes)

- संप्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे
- संप्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ का विकास
- प्रभावी सम्प्रेषण करना सीखेंगे

- पत्र-लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- मीडिया के विविध रूपों के लिए लेखन करना

SYLLABUS OF AEC-1

इकाई 1: सम्प्रेषण: सामान्य परिचय (1-7 सप्ताह)

- सम्प्रेषण की अवधारणा
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विविध आयाम
- सम्प्रेषण और संचार

इकाई 2 : सम्प्रेषण और संचार के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सम्प्रेषण के प्रकार
- सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना संभावित विषय: (कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान, कूड़ा निस्तारण योजना)
- अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन
- ब्लॉग लेखन, सम्पादकीय लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी: सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
2. सूचना और सम्प्रेषण: तकनीकी की समझ: स्मिता मिश्र
3. सम्प्रेषण: चिन्तन और दक्षता: मंजु मुकुल
4. संवाद पथ पत्रिका: केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
5. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. सम्प्रेषणपरक व्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

AEC 2:हिंदी औपचारिक लेखन (हिन्दी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
हिंदी औपचारिक लेखन	02	2	--	---	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और लेखन-कौशल को बढ़ावा देना
- कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- कार्यालयों में व्यावहारिक कार्य के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की विशेषताओं से परिचित होंगे

- कार्यालयों में होने वाले व्यावहारिक कार्य का ज्ञान
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन करना सकेंगे
- मार्केट सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली का निर्माण तथा उसका विश्लेषण करना जानेंगे
- विद्यार्थी टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति तैयार करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-2

इकाई- 1: लेखन दक्षता का विकास (1-7 सप्ताह)

- कार्यालयी हिंदी
- व्यावसायिक हिंदी
- टिप्पण और प्रारूपण : सामान्य परिचय
- प्रतिवेदन और विज्ञप्ति का महत्व

इकाई- 2: औपचारिक लेखन के प्रकार (8-15 सप्ताह)

- स्ववृत्त लेखन
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन
- कार्यालयी और व्यावसायिक पत्र लेखन
- किसी व्यावसायिक कार्यक्रम के संदर्भ में प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक और कार्यालयी हिन्दी: कृष्णकुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका: कैलाशचन्द्र पाण्डेय
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग: दंगल झाल्टे
4. प्रशासनिक हिन्दी: हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन
5. राजभाषा हिदी और उसका विकास: हीरालाल बाछोतिया, किताबघर प्रकाशन

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC 3 :सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन (हिन्दी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन	02	2	--	---	**हिंदी** - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- सोशल मीडिया की कार्यशैली की समझ
- सोशल मीडिया के महत्व और प्रभाव से मूल्यांकन
- ब्लॉग बनाना और लेखन
- सोशल मीडिया का व्यावहारिक ज्ञान

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी मिलेगी।
- सोशल मीडिया की कार्य-शैली की समझ विकसित होगी।
- ब्लॉग लेखन करने के साथ हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे।
- सोशल मीडिया के महत्व और उसकी भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

- विद्यार्थी सोशल मीडिया पर कार्य करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-3

इकाई 1. सोशल मीडिया और ब्लॉग

- सोशल मीडिया : अर्थ और परिभाषा
- सोशल मीडिया का प्रभाव और महत्व
- सोशल मीडिया के प्रकार (विकीपीडिया, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ट्विटर,यूट्यूब,इन्स्टाग्राम आदि)
- ब्लॉग लेखन: सामान्य परिचय

इकाई 2: सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष

- किसी सामाजिक अभियान के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन तैयार करना
- अपना निजी ब्लॉग तैयार करने की प्रक्रिया
- सोशल मीडिया से बनने वाली किसी खबर पर रिपोर्ट तैयार करना
- सोशल मीडिया से सम्बन्धित विविध विषयों पर आलेख तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1.सामाजिक मीडिया और हम: रवीन्द्र प्रभात, नोशन प्रेस
2.सोशल मीडिया: स्वर्ण सुमन, हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर इण्डिया
3.भूमंडलीकरण और मीडिया: कुमुद शर्मा
4.मीडिया और हिन्दी: बदलती प्रवृतियाँ: रविन्द्र जाधव, वाणी प्रकाशन
5.रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, प्रथम संस्करण- 1974
6.रेडियो वार्ता शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम प्रकाशन- 1992

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/ 198
Dated: 06.09.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-21 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

SKILL ENHANCEMENT COURSES (SECS)
UNDER
UGCF-2022
LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)

The NEP 2020 envisages imparting life skills as well as technical and professional skills as part of holistic education. University of Delhi has prepared various Skill Enhancement Courses in different domains to provide kinds of skills to the students, such as Communication Skills, Computer related skills, Coding skills, financial management skills, etc. with higher degree of hands on learning so as to equip them with the skills of their choice suitable to the academic path they choose.

A student who pursues any undergraduate programme in the University and its Colleges is offered a pool of Skill Enhancement Courses, from which he has to choose one to study in the first Semester. A list of such courses as passed by the Executive Council in its meeting dated 18.08.2022 is as below:

SL.NO.	COURSE TITLE	TOTAL CREDITS: 2
1	Advanced Spreadsheets Tools	
2	Analytics/ Computing With Python	
3	APP Development using Flutter	
4	Back-End Web Development	
5	Basic IT Tools	

6	Big Data Analytics
7	Beginners Course to Calligraphy
8	Business Communication
9	Business Intelligence and Data Visualisation
10	CAD for Fashion
11	Communication in Everyday Life
12	Communication in Professional Life
13	Creative Writing
14	Cyber Sphere and Security : Global Concern
15	Developing sustainability plans for a business
16	Digital Film Production
17	Digital Marketing
18	Essentials of Python
19	E-Tourism
20	Finance for Everyone
21	Financial Database and Analysis Software
22	Front End Web Design and Development
23	Graphics Design & Animation
24	Harmonium
25	Introduction to Arabic Calligraphy
26	Introduction to Blockchain
27	Introduction to Cloud Computing (AWS)
28	Negotiations and Leadership
29	Personal Financial Planning
30	Personality Development and Communication
31	Political Leadership and Communication
32	Programing with Python
33	Prospecting E-Waste for Sustainability
34	Public Speaking in English Language and Leadership
35	Statistical Software Package
36	Statistics with 'R'
37	Sustainable Ecotourism and Entrepreneurship
38	Visual Communication and Photography
39	पटकथा लेखन
40	रंगमंच
41	रचनात्मक लेखन

रचनात्मक लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रचनात्मक लेखन	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना।
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की ओर प्रेरित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृत्ति को विकसित करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में:

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी।
- उसमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा।
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मकता शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे।

- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी ये अग्रसर होंगे।

SYLLABUS

इकाई 1 (5 सप्ताह)

रचनात्मक लेखन: अवधारणा: स्वरूप आधार एवं विश्लेषण

- भाव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर
- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की मीमांसा शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि

इकाई 2

भाषा भंगिमा और साहित्य लेखन (5 सप्ताह)

- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव: शब्दशक्ति, प्रतीक, बिम्ब, अलंकारवक्रता
- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदबद्ध-छंदमुक्त, लय, गति, तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य और भाषा

Unit III (5 weeks)

विविध विधाओं एवं सूचना माध्यमों के लिए लेखन

- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य, रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद्य विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्ताज, यात्रा-वृतांत
- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन: फीचर, यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार, विज्ञापन

- इलेक्ट्रानिक माध्यम के लिए लेखन: विज्ञापन, पटकथा, संवाद

Practical Exercises if any:

नोट: उपर्युक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए।

References and suggested Readings

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम: रघुवंश
2. शैली: रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन: सं. रमेश गौतम
4. कविता क्या है: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. कथा-पटकथा: मन्नू भंडारी
6. पटकथा लेखन: मनोहर श्याम जोशी
7. कला की जरूरत: अर्नेस्ट फिशर: अनुवादक: रमेश उपाध्याय
8. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. कविता: रचना-प्रक्रिया: कुमार विमल

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

16/9/12

REGISTRAR

पटकथा लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
पटकथा लेखन	2	0	0	2	12^{th} Pass	NIL

Course Objective:

- पटकथा लेखन का परिचय कराना।
- विद्यार्थी की लेखन-क्षमता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थी को लेखन में रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना।

Course Learning Outcomes:

- पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- पटकथा लेखन की जानकारी मिलने के उपरान्त विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी।
- विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण को समझते हुए लेखन से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS

यूनिट 1 (4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन: परिचय
- पटकथा के तत्व
- पटकथा के प्रकार
- पटकथा की शब्दावली

यूनिट 2 (4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन में शोध का महत्व
- चरित्र की निर्मिति और विकास
- एक दृश्य का लिखा जाना
- तीन अंक (थ्री एक्ट) और पाँच अंक (फाइव एक्ट) को समझना

यूनिट 3 (4 सप्ताह)

- वेबसीरीज के लिए पटकथा लेखन
- लघु फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन
- वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन
- विज्ञापन फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन

यूनिट 4 (3 सप्ताह)

- पटकथा का पाठ और विश्लेषण
- किसी आईडिया को स्क्रीन प्ले के तौर पर विकसित करना

सन्दर्भ पुस्तकें:

- पटकथा कैसे लिखें: राजेंद्र पांडेय - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2015
- पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2000
- कथा-पटकथा: मन्नू भंडारी - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2014
- व्यावहारिक निर्देशिका: पटकथा लेखन: असग़र वज़ाहत - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2011
- आईडिया से परदे तक: रामकुमार सिंह - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2021

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

रंगमंच

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रंगमंच	2	0	0	2	12th pass	NIL

Course Objective:

- हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय कराना ।
- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया की जानकारी देना ।
- अभिनय के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना ।
- रंगमंच के खेलों और गतिविधियों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes:

- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।
- रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने के उपरान्त इस क्षेत्र में विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी ।
- रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा ।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

SYLLABUS

यूनिट 1 (4 सप्ताह)

- भरत मुनि कृत नाट्यशास्त्र (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का पारंपरिक रंगमंच (संक्षिप्त परिचय)

यूनिट 2 (4 सप्ताह)

प्रस्तुति-प्रक्रिया: आलेख का चयन, अभिनेताओं का चयन, दृश्य-परिकल्पना (ध्वनि-संगीत-नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभ्यास

यूनिट 3 (4 सप्ताह)

अभिनय की तैयारी: वाचिक, आंगिक, आहार्य, सात्विक

यूनिट 4 (2 सप्ताह)

आशु अभिनय, थिएटर गेम्स, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क

यूनिट 5 (1 सप्ताह)

मंच प्रबंधन: सेट, रंग-सामग्री, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर-निर्माण

सन्दर्भ पुस्तकें:

- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम् - राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- रंग स्थापत्य: कुछ टिप्पणियाँ - एच. वी. शर्मा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- पारंपरिक भारतीय: रंगमंच अनंतधाराएँ - कपिला वात्स्यायन, अनुवाद - बदी उज़म्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 1995
- हिंदी रंगमंच का लौकपक्ष, सं प्रो. रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली 2020
- मंच आलोकन - जी. एन. दासगुप्ता, अनुवाद - अजय मलकानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2006
- रंगमंच के सिद्धांत - सं महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2008

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**